

रजासहाब,

को बाद आदब के मालूम हो यहाँ तक खैरियत है आप की
खैर अफियत के लिये पुआ करते हैं। दीगर अहवाल यह है कि
आप के दोनों खत मिले हिन्दुस्तान में बहुत गड़बड़ी रही
पिछले दिनों जिससे भारी व्यवस्था ठप्प सी रही यही वजह
थी जो खत देर से मिल रहे हैं। अभी भी अनिश्चितता है
मेन फ्रेंच एम्बेसी को पत्र लिख कर एक गाह की
स्वीकृति दी है उसके बाद से उनका कोई पत्र नहीं आया

मेन रामकुमार जी और अकबर पदमसी सहाब को भी खत
लिखा था सोरे हालात बताये थे रामकुमार जी की सलाह
भी आप जैसी ही थी

पत्नी के साथ आने की बात जब सोच रहा था जब मुझे ज्यादा
दिन रहना पड़ता अकल कोई गुंजाइश नहीं लगती में दिल्ली
भी काफ़ी दिनों से नहीं गया

क्योंकी में त्रिमाल के काम में लगा हुआ हूँ शायद नया
पुछ सम जाय इस कारण में धून से कहीं नहीं गया

में ३ जनवरी को कम्बई आऊंगा आप से मिलने नये
काम के बारे में बात भी करेंगे

में शिरी और इब्रहेम जी से नहीं मिला दरअसल में कम्बई
भी नहीं गया और मेने उनसे पैसे भी नहीं लिये हैं।

आपके जैसे भी बहुत एहसान हैं। उम्मीद है। आप बुरा
न मानेंगे मैं जो कुछ भी आप कर पा रहा हूँ उसमें
बहुत बड़ा हिस्सा आपका है। और कभी कभी
सोचता हूँ आप की मदद मुझे भरपूर कैसे मिली
जिससे मैं फिर शरते पर आगया कभी कभी
सब सपना लगता है सोचता हूँ इतना समय भी
आप मुझे देते हैं खत के जवाब भी मुझे

लगातार मिलते रहते हैं। इन सब के एहसास से
वही खुशी और ऊर्जा मिलती है।

मेरे शाह सहाब का पता लिख रहा हूँ।

R. C. SHAH

F-3/2 PROFESSOR'S COLONY

VIDYA VIHAR

BHOPAL-462002

M.P. INDIA

बोपाल में गतिविधियाँ मन्द हैं। अभी तो सरकार
की और निर्वाह है कि अगला कदम क्या होगा
गलफों के हालात को असर भारत पर तो पड़ा ही
साथ ही राम जन्म भूमी मुद्दे ने पूरे भारत के
रहे सहे हालात भी बिगाड़ दिये हैं।

शान्ति प्रसन्द लोग बहुसंख्या में होते हुये भी
आदत के मुताबिक चार से बहार नहीं निकलते
जिसे शरती लोगों को मोका मिलता है।

पता नहीं अमन प्रसन्द लोगों को इसका मुकाम
कैसे करना चाहिये जिसे सब गार से रह
सके वही मुश्किल लगता है पैगम्बरों ने
कैसे अपने समय में यह सब किया था
शायद एक और गांधी जन्मले आपका ही विश्वास
मुझे भी सही लगता है। की सबको संगीत दे भगवान
शेष मिलने पर

आपका

हस्ताक्षर